

A Brief Report on IBD-2018



Chief Guest Shri Dara Singh Chauhan, Hon'ble Minister, Forest Department, Government of Uttar Pradesh
(1st Right) Dr. Mangala Rai, Ex- DG ICAR and Fellow, National academy of Agricultural Sciences,
(2nd Right) Dr. Rupak De, Head of Forest Force/PCCF, U.P. Forest Department, Lucknow
(1st Left) Shri Upendra Tiwari, State Minister (Independent Charge), Forest Department, Government of Uttar Pradesh
(2nd Left) Prof. Janki Andharia, Dean, Tata Institute of Social Sciences, Mumbai
(3rd Left) Shri Pawan Kumar, Secretary, U.P. State Biodiversity Board on the Dais

U.P. State Biodiversity Board, Lucknow celebrated the International Day for Biological Diversity (IBD-2018) on **22nd May, 2018** at **Dr. Ram Manohar Lohia National Law University Lucknow**. On this occasion, a conference was organized on the theme ***“Safeguarding Life on Earth”***.



The conference was started after auspicious lighting of lamp by the Shri Dara Singh Chauhan, Hon'ble Minister, Forest Department, Government of Uttar Pradesh, Shri Upendra Tiwari, State Minister (Independent Charge), Forest Department, Government of Uttar Pradesh, Dr. Mangala Rai, Ex- DG ICAR and Fellow, National academy of Agricultural Sciences, Dr. Rupak De, Head of Forest Force/PCCF, U.P. Forest Department, Prof. Janki Andharia, Dean, Tata Institute of Social Sciences, Mumbai and Shri Pawan Kumar, Secretary, U.P. State Biodiversity Board on the Dais.

On this occasion, more than **350 delegates** including various Students, Scientists from various Research Organizations/institutes, Universities, Officers from U.P. Forest Department and NGOs etc participated enthusiastically. The details of the events are as follows:

Date: 22 May, 2018

**Venue: Dr. Ram Manohar Lohia National Law University,
Lucknow**

Chief Guest:

Shri Dara Singh Chauhan, Hon'ble Minister, Forest Department,
Government of Uttar Pradesh

Distinguished Guest:

Shri Upendra Tiwari, State Minister (Independent Charge), Forest
Department, Government of Uttar Pradesh

Guests of Honour:

Dr. Mangala Rai, Ex- DG ICAR and Fellow, National academy of
Agricultural Sciences.

Prof. Janki Andharia, Dean, Tata Institute of Social Sciences, Mumbai.

Dr. Rupak De, Head of Forest Force/PCCF, U.P. Forest Department, U.P.,
Lucknow.

Shri Pawan Kumar, Secretary, U.P. State Biodiversity Board

There were following two technical sessions:

Technical Session I - Chaired by: Shri. Pawan Kumar, Secretary, UPSBB

Speaker I – Dr. P.V. Raju, Head, Water Resources Assessment Division,
National Remote Sensing Centre, Hyderabad

Speaker II – Dr. Sushil K. Sharma, Principal Scientist (NAIMCC), Kushmaur,
Mau Nath Bhanjan, Uttar Pradesh

Technical Session II – Chaired by: Shri. Pawan Kumar, Secretary, UPSBB

Speaker III – Prof. V.N. Srivastava, Professor, New Delhi Institute of
Management, New Delhi

Speaker IV – Prof. Janki Andharia, Dean, Tata Institute of Social Sciences,
Mumbai

The conference ended by vote of thanks given by Shri Pawan Kumar,
Secretary, U P State Biodiversity Board, Lucknow.

GLIMPSES OF SOME VIEWS ON THE OCCASION OF INTERNATIONAL DAY FOR BIOLOGICAL DIVERSITY-2018



View of Dais



Lighting of Lamp by the Dignitaries at Dais



A General View of Audience



Glimpse of Awareness Stall



Prize Distribution

Besides, on the occasion of International Day for Biological Diversity (IBD-2018), Uttar Pradesh Biodiversity Board, Lucknow in collaboration with Department of Zoology, Lucknow University also organized various events like *Poster, Quiz, Slogan writing, Collage making, Extempore debate* and *Photography competitions* on **20-05-2018** at Regional Science City, Aliganj.

Competitions were organized under various themes like “*Agricultural Biodiversity*” for poster competition, “*Wild flora and fauna*” for photography competition and “*Biodiversity*” for collage competition.

About **150 students** from different schools like Army Public schools, City Montessori School, M.L.M. School, Lucknow Public School etc. participated actively in this awareness campaign. The winners of the various events held at Regional Science City, Lucknow were felicitated on **22nd May, 2018** by Shri Dara Singh Chauhan, Hon'ble Minister, Forest Department, Government of Uttar Pradesh.



Felicitation of Winners of various events by Hon'ble Forest Minister Shri Dara Singh Chauhan, U.P., Lucknow

GLIMPSES OF BIODIVERSITY FESTIVAL -2018 ORGANIZED ON 20-05-2018



Invitation Card



United Nations Decade on Biodiversity




ISO 9001:2008

आयोजक:



उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड
 पूर्वी सिंग, ए-ब्लाक, तृतीय फ्ल, पिकप भवन, विभूति चण्ड,
 गोमती नगर, लखनऊ-226 010, उ०प्र०, भारत
 दूरभाष: + 91 522 4006746, + 91 2306491
 ईमेल: upstatebiodiversityboard@gmail.com
 वेबसाइट: www.upsbdb.org

अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस

22 मई, 2018

राष्ट्रीय संगोष्ठी



25 साल
 जैविक विविधता सम्मेलन
 पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा
 Convention on
 Biological Diversity
 SAFEGUARDING LIFE ON EARTH

कार्यक्रम

22 मई, 2018 मंगलवार

पंजीकरण	09.30 से 10.30	उद्घाटन सत्र - पूर्वाह्न 10.30 से 12.30
10.30-10.35	माननीय अतिथियों का स्वागत	
10.35-10.40	दीप प्रज्वलन द्वारा संगोष्ठी का उद्घाटन	
10.40-10.45	स्वागत भाषण	डा० रूपक डे, डेप्ट ऑफ फॉरेस्ट भोरो / ग्राम मुखा बन सीक, बन एवं वन्यजीव विभाग, उ०प्र०, लखनऊ
10.45-11.00	संगोष्ठी का उद्देश्य	सचिव, उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड
11.00-11.05	उद्बोधन	प्रो० संजय सिंह, कुनवति, डा० राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ
11.05-11.10	उद्बोधन	प्रोफेसर जानकी अम्बारिया, डीन, टाटा इन्स्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, मुंबई, विशेष अतिथि
11.10-11.30	उद्बोधन	डा० मंगला राय, फेलो, पूर्व सचिव, आई.सी.डी.आर., विशेष अतिथि
11.30-11.45	उद्बोधन	श्री उपेन्द्र तिवारी, मा० राज्य मंत्री जी (स्वतंत्र प्रभार), वन एवं पर्यावरण, जल सन्पूर्ति, भूमि विकास एवं जल संसाधन, परतौ भूमि विकास, सहकारिता, उत्तर प्रदेश, लखनऊ, विशिष्ट अतिथि
11.45-12.00	उद्बोधन	श्री दास सिंह चौहान, मा० वन, पर्यावरण, जल सन्पूर्ति एवं जल संसाधन मंत्री, उत्तर प्रदेश, लखनऊ, मुख्य अतिथि
12.00-12.05	स्मृति चिन्ह भेंट किया जाना	
12.05-12.10	धन्यवाद ज्ञापन	
12.10-12.30	स्वल्पाहार	
		प्रथम सत्र - अपराह्न 12.30 से 01.50
12.30-01.10	व्याख्यान	डा० पी.डी. राजू, डेप्ट, वॉटर रिसोर्स एन्वेलोपमेंट डिपार्टमेंट, मेकनस इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, हैदराबाद
01.10-01.50	व्याख्यान	डा० सुशील कुमार शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक, नेहरून स्मृति ऑफ एनर्जिकल्स एन्वेलोपमेंट रिसर्च एन्वेलोपमेंट, मा०, उ०प्र०
01.50-02.30	भोजनावकाश	
		द्वितीय सत्र - अपराह्न 02.30 से 04.30
02.30-03.30	व्याख्यान	डा० बी०एन० श्रीवास्तव, प्रोफेसर, संवर्धित इन्स्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट, संवर्धित दिल्ली
03.30-04.00	व्याख्यान	प्रोफेसर जानकी अम्बारिया, डीन, टाटा इन्स्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, मुंबई
04.00-04.30	समापन उद्बोधन	प्रमुख सचिव, वन एवं वन्यजीव, उ०प्र० शासन / अध्यक्ष, उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड

“25 साल जैविक विविधता सम्मेलन पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा”

विषय पर आयोजित

राष्ट्रीय संगोष्ठी

मुख्य अतिथि :

श्री दास सिंह चौहान
 मा० वन, पर्यावरण, जल सन्पूर्ति एवं जल संसाधन मंत्री, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

विशिष्ट अतिथि :

श्री उपेन्द्र तिवारी
 मा० राज्य मंत्री जी (स्वतंत्र प्रभार), वन एवं पर्यावरण, जल सन्पूर्ति, भूमि विकास एवं जल संसाधन, परतौ भूमि विकास, सहकारिता, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

दिनांक : 22 मई, 2018, समय : पूर्वाह्न 9.30 बजे

स्थल: “डा० राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, एल.डी.ए. कालोनी, कानपुर रोड, लखनऊ”

इस संगोष्ठी में आप सादर आमंत्रित हैं।

सचिव
उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड
लखनऊ

अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड
लखनऊ

Media Coverage

The Pioneer, Lucknow: 23-05-2018



Pioneer, Lucknow: 23-05-2018



Amar Ujala, Lucknow: 23-05-2018

लखनऊ | बुधवार, 23 मई 2018 4

अमर उजाला राजधानी

'आंगन में गौरैया, गमलों में तितलियां, सड़क किनारे गिद्ध ही जैव विविधता'



लोहिया विधि विधि में जैव विविधता दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में वन मंत्री दारा सिंह चौहान।

लखनऊ। वन मंत्री दारा सिंह चौहान ने हर वन प्रभाग के मुख्य वन उत्पाद को चिह्नित कर उसे एक जिला-एक उत्पाद योजना से जोड़ने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आमजन को उसी की बोली में जैव विविधता का महत्व बताने पर जोर देते हुए कहा कि जिस दिन आंगन में गौरैया, बगीचों व गमलों में तितलियां और ग्रामीण सड़कों के इर्द-गिर्द गिद्ध दिखने लगेंगे, उसी दिन जैव विविधता का सपना साकार होना शुरू हो जाएगा। वे मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर डॉ. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विधि में हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोल रहे थे।

उप. राज्य जैव विविधता बोर्ड की ओर से आयोजित '25 साल जैविक विविधता सम्मेलन और पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा' विषयक संगोष्ठी में मंत्री ने सभी का आह्वान करते हुए कहा कि प्राणिक व वनस्पति जगत के लिए सभी को एक-एक पौधा रोपना चाहिए जिससे अनुकूल स्थितियां बन सकें। वन राज्यमंत्री उपेंद्र तिवारी ने गोष्ठा में 4 वन टांगिया ग्रामों को राजस्व ग्राम घोषित करने का जिक्र करते हुए कहा कि प्राकृतिक यातावरण में रहने वाले व्यक्ति स्वस्थ और दीर्घायु होते हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. रूपक डे ने जैव विविधता का महत्व समझाया। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के डॉन प्रो. जानकी अंधारिया ने कहा कि जैव विविधता व पारिस्थितिकीय क्षरण का दुष्प्रभाव जलवायु परिवर्तन के रूप में सामने आ रहा है। ब्यूट

Hindustan, Lucknow: 23-05-2018

हिन्दुस्तान

लखनऊ • बुधवार • 23 मई 2018 08

जैव विविधता संरक्षण जरूरी

सम्मेलन अपनी परम्परा से जुड़ना होगा

एखण्ड | रिजि संवाददाता

प्रदेश के वन, पशुचिरण, जन्तु उद्यान एवं उद्यान मंत्री दारा सिंह चौहान ने मंगलवार को एलायन किया कि मुख्यमंत्री बोनी आदिपनाथ की मठस्थापना की योजना 'एक जिला एक उत्पाद' की तर्ज पर जैव विविधता के संरक्षण के लिए 'एक प्रभाग-एक उत्पाद' की योजना लागू की जाएगी। साथ ही अपने विभाग को निर्दिष्ट दिया कि प्रत्येक प्रभाग के मुख्य वन उत्पाद चिह्नित कर इसके लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाए।

वह अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर लोहिया राष्ट्रीय विधि विधि विधि विधि में '25 साल जैविक विविधता सम्मेलन पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन कर रहे थे। उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड की ओर से आयोजित संगोष्ठी में मंत्री ने कहा कि जैव विविधता संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होने के साथ ही अपनी परम्परा और संस्कृति को संजोना होगा। पर्यावरण संरक्षण की अपनी परम्परा नहीं अद्यतन से इन प्रवृत्ति से दूर होते जा रहे हैं।

विविधता बोर्ड की ओर से आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए श्री चौहान ने कहा कि जैवविविधता संरक्षण की दिशा में युवाओं को प्रेरित करना हम संयुक्त उत्तरदायित्व है।

वैज्ञानिकों और विद्वानों का आह्वान किया कि वह सरल भाषा में जैव विविधता की भूमिका, महत्व एवं संरक्षण की आवश्यकता से लोगों को सज्जात।



सांध्य हलचल (हिन्दी दैनिक), लखनऊ

बुधवार, 23 मई 2018 2

सामाजिक सहभागिता से संरक्षित होगी जैव विविधता: दारा सिंह

लखनऊ। अनंतराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस के अवसर पर डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा 25 साल जैविक विविधता सम्मेलन पृथ्वी पर जीवन को सुरक्षा। विषय पर राष्ट्रीय गीठी आयोजित की गयी। गीठी का सूत्रात्मक वक्ता मुख्य अतिथि वन, पर्यावरण, जल उद्यान एवं उद्यान मंत्री दारा सिंह चोहान ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि पर से सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 'एक जिला - एक उत्पाद' की भावना के अनुरूप 'एक प्रभाग-एक उत्पाद' की योजना पर काम किया जाये। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रभाग के मुख्य वन उत्पाद पहिचान कर प्रोत्साहित करने प्रोत्साहित किया जाये। जैवविविधता संरक्षण की दिशा में युवाओं को प्रेरित करने पर जोर दिया गया। जैवविविधता के प्रति रुचि, उत्सुकता व प्रतियोगिता पैदा कर जैवविविधता संरक्षण की दिशा में सामाजिक सहयोग से कामकाज हासिल करने को बात कही। मंत्री ने कहा कि सरल भाषा में जैवविविधता की भूमिका, महत्व व संरक्षण की आवश्यकता से अवगत करवाकर जन समाज को

वृहद वृक्षारोपण कर संरक्षित किया जा सकता है पर्यावरण संतुलन

जियो और जीने दो, सबका साथ, सबका विकास की अवधारणा पर केन्द्रित

कारण जैवविविधता क्षय से हमारा जीवन भी प्रभावित हो रहा है। दोनों अतिथियों ने अनंतराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस के मौके पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। आगंतुकों का स्वागत प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष डॉ. रूपक डे द्वारा किया गया। सचिव राज्य जैवविविधता बोर्ड पवन कुमार ने राष्ट्रीय संगीठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर जानकी अम्बारिया, बीन टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज ने कहा कि जैवविविधता व पारिस्थितिकीय क्षरण का दुष्प्रभाव जलवायु परिवर्तन के रूप में परिलक्षित हो रहा है। संगीठी के विशेष अतिथि डॉ. मंगला राय ने अल्पजल रोचक व ज्ञानवर्धक उद्घोषण किया।

अपेक्षा व आकांक्षाओं की पूर्ति एवं पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा सम्भव है। हमारे पूर्वजों द्वारा प्रकृति उन्होंने पर आँख में पार जले वाली गीरिया व प्राकृतिक सखाई कर्माँ भिदों की भटती संछ्वा पर अकरोमस जाहिर करते हुए श्री चोहान कहते हैं कि 'जियो और जीने दो' एवं 'सबका साथ सबका विकास' की भावना को कार्यरूप में परिणत किया जाना जरूरी है। प्रदेश सरकार द्वारा राज्य वन नीति-2017 का प्रख्यापन किया गया। उन्होंने प्रदेश 22 करोड़ युवा

रीथ रोपित कर प्रदेश को हर-भरा बनाने में सहयोग मांगा। इस अवसर पर विरिष्ठ अतिथि राज्यमंत्री वन एवं पर्यावरण, जल उद्यान एवं उद्यान, उपेन्द्र तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय संगीठी 'पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा' बहुत बड़ा विषय है। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होने के साथ ही अपनी परम्परा व संस्कृति से जुड़ना होगा। पर्यावरण संरक्षण की समृद्ध परम्परा न अपनाते से हम प्रकृति से दूर होते जाएंगे। जीवन शैली व पू-उपयोग में परिवर्तन के